<u>समाचार विमोचन</u>

कठोर रोकः बुध. फरवरी 13, 2008, 5 बजे अपराहन ईएसटी (टोरंटो)
बुध. फरवरी 13, 2008 10 बजे अपराहन जीएमटी (लंदन)
वृह. फरवरी 14, 2008, 3.30 बजे पूर्वाहन आईएसटी (नई दिल्ली)

भारत धूम्रपान के व्यापक रोग की विपत्ति की चपेट में – शोधकर्ताओं का अंदाजा है कि 2010 तक हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या 10 लाख तक पहुच जाएगी.

नई शोध ने यह दिखाया है कि सालाना तम्बाकू से मरने वालों की संख्या लगातार बढ रही है और 2010 तक 9 लाख पहुँच जाएगी.

भारत धूम्रपान रोग की विपत्ति के मध्य मे खडा है जिसके कारण धूम्रपान से मरने वालों की संख्या 2010 तक एक साल में दस लाख होने का अनुमान है. अतः 30 से 69 उम्र के पॉच युवा वयस्कों में से एक की मृत्यु और 20 युवतियों में से एक युवती की मौत का कारण धूम्रपान है. औसतन बीडी पीने वाले पुरूष उन लोगों की तुलना में जो बीडी नहीं पीते हैं, अपनी जिंदगी के 6 साल खोते है, बीडी पीने वाली महिला अपनी जिंदगी के 8 साल खोती हैं, और सिगरेट पीने वाले पुरूष 10 साल खो देते हैं.

यह आकडे भारत में मृत्यु के उपर किए गए प्रथम राष्टीय प्रतिनिधित्व अध्ययन के द्वारा सामने आए हैं यह शोध जो आज (13 फरवरी 2008 को) न्यू इग्लैंड जरनल आफ मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है, भारत, कनाडा और ब्रिटेन की संयुक्त टीम द्वारा किया गया.

2001–2003 के दौरान हुई युवा मौतों का राष्टीय स्तर पर 11 लाख सैम्पल घरों में 900 फील्ड वर्कर्स द्वारा सर्वेक्षण किया गया. शोधकर्ताओं ने 74,000 मरने वाले लोगों की धूम्रपान की पृष्ठभूमि की तुलना 78,000 जिन्दा लोगों से की.

अध्ययन में 30–69 साल के पुरूषों में धूम्रपान के कारण होने वाली मौतेंः

- टी.बी. से हुई मौतों मे से 38 प्रतिशत (3119 मौतों में से 1174)
- श्वास संबंधी बीमारी से हुई मौतों मे से 31 प्रतिशत (3487 में से 1078)
- हृदय संबंधी बीमारी से हुई मौतों मे से 20 प्रतिशत (5409 में से 1102)
- कैंसर से हुई मौतों में से 32 प्रतिशत (2248 में से 709)
- अन्य बिमारियों से हुई मौतों मे से 23 प्रतिशत (25290 में से 5651)

प्रोफेसर प्रभात झा, मुख्य लेखक, सैंटर फार ग्लोबल हैल्थ रिसर्च, सैंट माइकल अस्पताल, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा ने कहा “धूम्रपान से होने वाले अत्यधिक खतरों को देखकर हम हैरान हुए, क्योंकि भारत में धूम्रपान करने वाले लोग यूरोप, अमेरिका की तुलना में बाद की उम्र में धूम्रपान शुरू करते हैं, और कम धूम्रपान करते हैं. भारत में धूम्रपान न केवल कैसर से बल्कि टी.बी. और दिल का दौरे से भी मारता है.

भारत में लगभग 12 करोड लोग धूम्रपान का सेवन करने वाले हैं. 30–69 की आयु में लगभग एक तिहाई से अधिक पुरूष और लगभग पांच प्रतिशत महिलाएं सिगरेट या बीडी का सेवन करते हैं (बीडी में सिगरेट के मुकाबले मात्र एक तिहाई तम्बाकू जो कि दूसरे पौधे टेमबर्नी की पत्तियों में लिपटा होता है).

अध्ययन द्वारा पाया गया है कि 30–69 की आयु में तम्बाकू न सेवन करने वाले पुरूषों में मरने वालों की संख्या मात्र 41 प्रतिशत है. धूम्रपान करने वालों में यह संख्या बढकर लगभग 61 प्रतिशत हो जाती है. महिलाओं में यह संख्या 38 प्रतिशत से बढकर 62 प्रतिशत हो जाती है.

भारत के स्वास्थ्य मंत्री डा. अंबुमानी रामदौस ने कहा है, "मै इस अध्ययन के परिणामों से भयभीत हूं. भारत सरकार तम्बाकू प्रयोग पर नियंत्रण के लिए, विशेषतौर पर कई गरीब और अशिक्षितों को तम्बाकू के खतरों के बारे में सूचित करके, सभी कदम उठाने की कोशिश कर रही है."

नोबल लौरेट अर्थशास्त्र 2001, प्रोफेसर अमर्त्या सेन ने कहा कि "सचमुच में यह अद्‌भुत है कि भारत में 10 में से लगभग 1 मौत, पूर्णरूप से रोकने योग्य एकमात्र कारण धूम्रपान की वजह से होती है. यह अध्ययन इस अत्यधिक उपेक्षित क्षेत्र में तुरन्त सार्वजनिक कार्रवाई की आवश्यकता को बलपूर्वक सामने लाता है."

अध्ययन द्वारा पाया गया है कि धूम्रपान किसी भी स्तर पर सुरक्षित नही है. बीडी पीने से जो खतरे हैं वह सिगरेट पीने से बहुत ज्यादा बढ जाते है. धूम्रपान सेवन से मध्यावस्था में मृत्यु के खतरे दुगुने से भी ज्यादा हो जाते है. यह पाया गया है कि सिगरेट पीने वालों की उम्र धूम्रपान न करने वालों की तुलना में 10 वर्ष कम होती है – यह खतरे पश्चिमी देशों में भी समान रूप से देखे गये है.

"स्मोकिंग किल्स बट स्टापिंग वर्क्स" सह–लेखक, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रो. रिचर्ड पीटो ने कहा है कि, "धूम्रपान करने वाले लोग यह सेवन नहीं रोकेंगे तो उन में से उक चौथाई लोग मध्यावस्था में तम्बाकू से मर जाएंगे". ब्रिटिश अध्ययन बताता है कि धूम्रपान निषेध विशेष्स रूप से कारगर है.

कुछ मुख्य निष्कर्ष:

- यह सम्पूर्ण भारत में धूम्रपान का राष्ट्रवत प्रतिनिधित्व अध्ययन करने वाला सबसे पहला अध्ययन है.
- भारत में 2010 तक धूम्रपान से एक साल में 10 लाख तक मौतें होगी.
- इन 10 लाख में से 70 प्रतिशत प्रोढावस्था से पूर्व होंगी, अर्थात एक वर्ष में 7 लाख मौंते 30 से 69 साल में होंगी (6 लाख पुरूष, और एक लाख महिलाए).

- 5 में से एक पुरूष तथा 20 में से एक महिला तम्बाकू के कारण मध्यावस्था (30–69 साल) में मर जाते हैं.
- जो बीडी का सेवन करते है वे पुरूष अपने जीवन के औसतन 6 साल तक तथा महिलाएं 8 साल तक खो रहे हैं तथा जो सिगरेट का सेवन करते हैं वे पुरूष 10 साल खो रहे हैं.
- धूम्रपान मुख्यतः टीबी, श्वास संबंधी बीमारी, दिल की बीमारी तथा कैंसर से भी मारता है.
- एक दिन में कुछ (1–7 तक) बीडी पीने से एक तिहाई मृत्यु का खतरा बढ जाता है और एक दिन में 1–7 तक सिगरेट पीने से यह खतरा दुगुना हो जाता है.
- मध्यावस्था में महिला और पुरूष की मृत्यु में अन्तर का कारण धूम्रपान ही है.
- वास्तविक संकट पढे लिखे व अनपढ वयस्कों में तथा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से पाया गया है.
- धूम्रपान छोडना कारगर है –लेकिन भारत में मात्र 2 प्रतिशत वयस्कों ने बिमार पडने के बाद ही धूम्रपान छोडा.

(समाप्त)

Note: Indian and western numbers: 1 lakh=100 thousand, 10 lakh=1 million, 1 crore=10 million.

A Nationally Representative Case-Control Study of Smoking and Death in India. New England Journal of Medicine. 358. (10.1056/NEJMsa0707719 at *www.nejm.org*)

अधिक जानकारीः

प्रोफेसर प्रभात झा, (मुख्य लेखक, उत्तरी अमेरिकन और भारतीय मीडिया): Tel: +91 981 006 1035 (मोबाइल) ईमेलः prabhat.jha@utoronto.ca, या जूली सकोनः Tel:+ 1 416 864 5047, +1 416 400 6454 (मोबाइल) ईमेलः sacconeJ@smh.toronto.ca

डा नीरज धींगढा (भारतीय मीडिया) Tel: +91 981 826 1802 ईमेलः ndhngr@aim.com

बिट्िश एव यूरापियन मीडियाः (प्रोफेसर रिचर्ड पीटो के लिए) लौरे थॉमस (Medical Research Council): Tel: + 44 (0)207 670 5139: + 44(0)7818 428 428 297 (मोबाइल) ईमेलः laure.thomas@headoffice.mrc.ac.uk

शोध कागजात की प्रति सहित अधिक विस्तृत जानकारी, भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में प्रेस विमोचन, भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में रूपान्तरित अनुवादों सहित एक वीडियो विमोचन, विख्यात वैज्ञानिकों एवं महानुभावों के उद्धरण, अक्सर पूछे जाने वाले सवाल और मुख्य परिणामों की पावर प्वाइंट स्लाइड www.cghr.org/tobacco और www.ctsu.ox.ac.uk/indiatobacco पर उपलब्ध है.

प्रतिबंधित प्रेस सम्मेलन मंगलवार 12 फरवरी 1130 से 1330 बजे होटल ताज महल, 1, मानसिंह रोड, नई दिल्ली में होगी. निमन्त्रण के लिए सम्पर्क करें: श्री जितेन्द्र सुधीर, मोबाइलः + 91 931 373 0059 ईमेलः jitender_sudhir@yahoo.co.in